



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—जन-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 329]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 8, 1982/कार्तिक 17, 1904

No. 329] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 8, 1982/KARTIKA 17, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

बिल मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिकृतनाम

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1982
मा० 150/प२—सेन्ट्रीय उत्पादन-शाखा

सा० का० नि० 665(अ) —केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शाखा नियम, 1944 के नियम १ के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त जनकियों का प्रयोग करते हुए, इसमें उपावधि भारणी के स्तरम् (3) में विनियिष्ट वर्णन के और फेन्ड्रीय उत्पाद-शाखा और नवमं अधिनियम, 1944 (1944 का 11) की पहली अनुदूर्वी की मद मा० 19 अी, उक्त सारणी के स्तरम् (2) में तस्थानी प्रविष्टि में विनियिष्ट उपमयों के अन्तर्वत आने वाले सूती फैब्रिकों को, उक्त अधिनियम की घारा 3 के अपार्वत उन पाँच उत्प्रवर्णन सम्बन्ध उत्पाद-शाखा से उक्त सारणी में स्तरम् (4) में की तस्थानी प्रविष्टि में स्थानी गई गणों के, यदि कोई हो, अधीन रखते हुए छूट देनी है।

सारणी

क्रम उप- वर्णन अन-

सं. मव

(1) (2) (3) (4)

1. 1 किमी ट्रेन्टाइल, लाई, रगाई, यदि उम कारबाही से अन्यत्र विवरण या साइजन प्रतिया में उपयोग के लिए आशयित सूती फैब्रिक।

(1) (2) (3) (4)

बारे में केन्द्रीय उत्पाद-शाखा नियम, 1944 के प्रधाय 10 में उत्पर्णित प्रक्रिया वा अनुदूर्वा किया जाता है प्रो० फैब्रिक का उत्पादन लाई, रगाई विवरण या साइजन की प्रक्रिया म पूर्ण उपयोग किया जाता है और सामूहिक कार्ड के रूप में प्राप्त उपयोग नहीं किया जा सकता है।

2. 1 नेपिन अपार्शी उच्चोग में उपयोग के लिए आशयित सूती फैब्रिक, लट्टा और मारणीन सूती फैब्रिक।

3. 1 सूती अवशेषी विन्ट के विनियोग में उपयोग ने लिए आशयित सूती फैब्रिक।

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
			किया जाता है, उपयोग किए गए ऐसे फैब्रिक के बारे में, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के अध्याय 10 में उपर्युक्त प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।	13. 1	कातिश्वसन या निम्नमानक सूती फैब्रिक जिनमें “चिन्दी” के रूप में वर्णित किया गया है अर्थात् सूती फैब्रिक के बास्तविक सामान्य कटे टुकड़े जो 23 सेंटीमीटर या उससे कम लम्बे हैं जिनसे प्रत्यर्गत क्षमिप्रस्तुत या अन्यथा कम मात्रक के सूती फैब्रिक के अवशिष्ट या कटे टुकड़े हैं जिन्हें सामान्य भुनाई, प्रसंस्करण या ऐकिय संक्रिया या नमूर्तों का निकालने के ममय लाग दिया गया है।		*
4. 1	होजियरी जिसके बारे में ऐसे प्रधिकारी को जो सहायक केन्द्रीय उत्पादशुल्क कलाकार की पर्कि के नीचे का न हो समाधानप्रद रूप में यह सावित कर दिया गया है कि वह होजियरी वस्त्रों के बनाने में उपयोग के लिए आशयित है।	यदि उस कारबाने से प्रत्यक्ष, जिसमें उसका उत्पादन किया जाता है, उपर्योग किए गए ऐसे फैब्रिक के बारे में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपर्युक्त प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।		12.	वर्णित किया गया है अर्थात् सूती फैब्रिक के बास्तविक सामान्य कटे टुकड़े जो 23 सेंटीमीटर या उससे कम लम्बे हैं जिनसे प्रत्यर्गत क्षमिप्रस्तुत या अन्यथा कम मात्रक के सूती फैब्रिक के अवशिष्ट या कटे टुकड़े हैं जिन्हें सामान्य भुनाई, प्रसंस्करण या ऐकिय संक्रिया या नमूर्तों का निकालने के ममय लाग दिया गया है।		
5. 1	सूती फैब्रिक की ड्रिंगिंग और कतरने जो चौड़ाई में 7.5 सेंटी मीटर से अधिक नहीं हैं, यदि ऐसी ड्रिंगिंग और कतरने पूर्वोक्त पहारी अनुदूल्ची की भव सं. 17 के अन्तर्गत वर्णित किए जा सकने वाले कागज के विनियोग में उपयोग के लिए आशयित हैं।	यदि उस कारबाने से प्रत्यक्ष, जिसमें उसका उत्पादन किया जाता है, उपर्योग किए गए ऐसे फैब्रिक के बारे में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपर्युक्त प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।		14. 3	कातिश्वसन या निम्नमानक सूती फैब्रिक जिन्हे “चिन्दी” के रूप में वर्णित किया गया है, अर्थात् ऐसे फैब्रिक के बास्तविक सामान्य कटे टुकड़े जो 6 सेंटीमीटर या उससे कम लम्बे हैं।		
6. 1	भारतीय राष्ट्रीय छब्ज						
7. 1	शास्त्र कर्म अवशोषी लिट जो आधा किलोप्राइम या उससे कम के फैक्टों में पैक किए गए हैं।						
8. 1	सूती फैब्रिक जो चौड़ाई में 15 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है।						
9. 1	अप्रसंस्कृत सूती फैब्रिक, यदि हाथ कर्षे पर विनियमित है।						
10. 1	प्रसंस्कृत खादी, अर्थात् भारत में हाथ से काने गए सूत से हृषकरने पर बुना गया कोई कपड़ा।	यदि ऐसे फैब्रिक की खादी और ग्रामीणोंग आदोग द्वारा इस नियमित सम्बूद्ध रूप से प्राप्तिकृत किसी प्रधिकारी द्वारा खादी के रूप में प्रसायित किया गया है।					
11. 1	अप्रसंस्कृत सूती होज पाइप और उस रूप में बुनी गई पट्टी।						
12. 1	होप्री, अर्थात् तस्तिकार या अन्यथा बुना गया फैब्रिक, जिसमें एकल सूत या एकल या बोहरे सूत का समुच्चय यस्तिकार या स्पाइट बाना भुनाई मरीन की सभी सुझाई में से होकर निकालने के परिणाम-स्वरूप फैब्रिक में सर्वेत निरस्तर वर्कमध्य करता है।						

[पा. सं. 349/1/19/82-टो. प्रार. यू.]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 8th November, 1982

NO. 250/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 665(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cotton fabrics of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the sub-items, specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act subject to the conditions, if any, laid down in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Sub-Item	Description	Conditions
1.	I	Cotton fabrics intended for use in any textile printing, dyeing, bleaching or sizing process.	If the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 is followed in respect of such fabrics used elsewhere than in the factory of production and the fabrics are also fully

* 1	2	3	4	1	2	3	4
			used in the process of textile printing, dyeing, bleaching or sizing and cannot be put to further use as ordinary cloth				
2. I	Cotton drill, long cloth and Markin cotton fabrics intended for use in the coated abrasives industry	If the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such fabrics used elsewhere than in the factory of production		12. I	Hosiery, that is to say, knitted fabrics, tubular or otherwise, in which single or a set of single or a set of single or double yarn traverses continuously throughout the fabrics as a result of passing through all the needles of a circular or flat west knitting machine		
3. I	Cotton fabrics intended for use in the manufacture of cotton absorbent lint	If the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such fabrics used elsewhere than in the factory of production		13. I and II	Damaged or sub-standard cotton fabrics which are classified as "chundies", that is to say, genuine normal cut-pieces of cotton fabrics which are 23 centimetres or less in length including remnants or cut-pieces of cotton fabrics, damaged or otherwise deficient in standard, discarded during the course of normal weaving, processing or packing operations or drawal of samples.		
4. I	Hosiery which is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise, to be intended to be used in the making of hosiery garments	If the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such fabrics used elsewhere than in the factory of production		14. III	Damaged or sub-standard cotton fabrics which are classified as "chundies", that is to say, genuine normal cut-pieces of such fabrics which are 6 centimetres or less in length		
5. I	Trimmings and cuttings of cotton fabrics which are not more than 7.5 centimetres in width if such trimmings and cuttings are intended for use in the manufacture of paper classifiable under Item No. 17 of the aforesaid First Schedule	If the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed in respect of such fabrics used elsewhere than in the factory of production					
6. I	Indian National Flags						
7. I	Surgical absorbent lint packed in packets of one half kilogram, or less						
8. I	Cotton fabrics of not more than 15 centimetres in width						
9. I	Unprocessed cotton fabrics if manufactured on a handloom						
10. I	Processed Khadi, that is to say, any cloth woven on handloom from yarns handspun in India	If the fabrics are certified as Khadi by an Officer duly authorised in this behalf by the Khadi and Village Industries Commission					
11. I	Unprocessed cotton hose pipes and belting woven as such						

[F No. 349/1/19/82-TRU]

सं. 251/82 - भौतिक उत्पाद-शुल्क

6. I Indian National Flags
7. I Surgical absorbent lint packed in packets of one half kilogram, or less
8. I Cotton fabrics of not more than 15 centimetres in width
9. I Unprocessed cotton fabrics if manufactured on a handloom
10. I Processed Khadi, that is to say, any cloth woven on handloom from yarns handspun in India
11. I Unprocessed cotton hose pipes and belting woven as such

If the fabrics are certified as Khadi by an Officer duly authorised in this behalf by the Khadi and Village Industries Commission

सं. 20. सं. 666 (अ).—केन्द्रीय सरकार अधिनियम उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम (1957 का 58) की धारा 2 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उन्नियम (1) द्वारा प्रबन्धित यों का प्रयोग करते हुए भौतिक उत्पाद-शुल्क, सर्वथा 15 जून 1977 को अधिकान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भौतिक नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के पहले अनु-सूची की भूदि सं. 19 के उप-भूदि 1 के अन्तर्गत प्राने वाले भौतिक इसमें उत्पाद-शुल्कों के (जिसे इस अधिनियम से इसके पश्चात् 'भारणी' कहा गया है) संघर्ष (2) में विनियिष्ट तूने फैशिल को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भौतिक नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) भौतिक उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम 1957 (1957 का 58), दोनों के अधीन उत्पाद-शुल्क उत्पाद-शुल्क के उत्पाद-शुल्क से छठ देता है जिसने उसके संघर्ष (3) में की सर्वस्वत्त्व प्रविविष्ट में विनियिष्ट शुल्क से मर्माणन 27 में दिया है।

सारणी

क्रम सं.	वर्णन	दर
(१)	(२)	(३)
१	ऐसे पूर्वे के ब्रह्म जिनमें भूत वा भ्रौसत का उन्ट ५१ या उसमें अधिक है।	मूल्य का १५ प्रतिशत
२	ऐसे सूती कैबिक (उनमें भिन्न जिनमें भूत का औसत बाउन्ट ५१ या उसमें अधिक है) जिनका मूल्य प्रति वर्ग मीटर	
(१)	चार रुपए से अधिक नहीं है	मूल्य का दो प्रतिशत।
(२)	चार रुपए से अधिक है किन्तु छह रुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का चौन लाख प्रतिशत।
(३)	छह रुपए से अधिक है किन्तु आठरुपए में अधिक नहीं है।	मूल्य का चार प्रतिशत।
(४)	मात्र रुपए से अधिक है किन्तु आठ रुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का छह प्रतिशत।
(५)	आठ रुपए से अधिक है किन्तु नौ रुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का आठ प्रतिशत।
(६)	नौ रुपए से अधिक है किन्तु दस रुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का दस प्रतिशत।
(७)	दस रुपए से अधिक है किन्तु एकारह मूल्य का बारह प्रतिशत। एकारह रुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का एकारह प्रतिशत।
(८)	एकारह रुपए से अधिक है किन्तु बारहरुपए से अधिक नहीं है।	मूल्य का बीदह प्रतिशत।
(९)	बारहरुपए से अधिक है।	मूल्य का पन्द्रह प्रतिशत।
? सूती कैबिक जो क्रम संख्या १ और २ में विनिश्चित नहीं है।		मूल्य का पन्द्रह प्रतिशत।

परमात्मा १०

(1) हृषकरथा फैशिक की दशा में, जब उनका प्रभम्भारण हृषकरथा विकास आयुक्त की सिफारिश पर भैरव सरकार द्वारा इस नियमित ग्रन्त-मोदित स्वतंत्र प्रभम्भारणकर्त्तव्यारा किया जाता है, सारणी में धधा विनियोजित समूचित दर में से ऐसी दर का साठ प्रतिशत नियमित शर्तों के अधीन रहते हुए क्यम कर दिया जाएगा, प्रथम् ।—

(क) ऐसे मूर्ती फैलिक की दशा में, जिनमें भूत वा अवैतन का उट 51 या उससे प्रारंभिक है, जब उसकी तिथिनं प्रथमकरण के पश्चात् किन्तु छपाई या रगाई या चानों के बिना की जाती है। उक्त अधिरान्तयम के सामीन उन पर उद्घमहणीय उच्चादण्णुक नुल का पाच अन्तिशत हासा।

(ख) ऐसे सूत्र की वजह से जो उपरोक्त गति (क) के अन्तर्गत आने वाले सूत्र फैसिल में प्राप्त हैं, ऐसी दर से से ऐसे कमी मूल्य के छह प्रतिशत में अधिक नहीं होगी :

(2) जहाँ व्यक्तिगती का प्रमस्करण किया जानिस्ट्रुक्ट भूत पहकारी सोसायटी के या हथकरघा के विकास के परियोजन के लिए हेत्तीय वरकार दर्शाएँ स्थान या अनुमति दिये गये तो उनके स्वभाव और कारबाही द्वारा किये गये संदर्भों से किया जाए है कहा दिये फैदों का उक्त व्यक्तिगती के अधीन उपर उद्घर्वणीय समस्य उत्पादन तक से छुट्टी जाएगी।

(3) (क) ऐसे सूती फ़िक, जिनमें अपैलूनोमी मूल का फायदेर या भूत या दोनों का भार पक्का बटा छह से अधिक है: और

(अ) ऐसे कोट के कपड़, गृह के पर्याप्त, समस्या, सार्वभौमिक, गवर्नरीन मेंड-फाई, लाटन, तौलिय, गैरिट, बूटेदार फैब्रिक, गोल लेड वाली मच्चउदाहरणी का था, लेन, बुना हुआ फैब्रिक, ट्रैफ्सट्रो, फॉर्मिंगा फैब्रिक जिनके अन्तर्गत झीकड़ पट्टे का कपड़ा है, पड़लीवेट पट्टा का फैब्रिक, टेरी तौलिय, जिनके अन्तर्गत टरकिश तौलिय हैं, टेरी तौलिय के कपड़े जिनके अन्तर्गत टरकिश तौलिय के कपड़े हैं, काम्बल, फैनबल, उक, फिल्टर कपड़े, ट्रैफ्सिंग कपड़े और बक्रग कपड़े।

की इंडिया में, जिनमें जिन्होंने शेषहारधा (कठाई या प्रत्यक्षरण मयन्त्री गतिशील) पर किया था है, उन्होंने भी यथा विलिंग्टन न्यूचिन दरा में से मृत्यु का छह प्रतिशत उप वर्षा में कम कर दिया जाएगा जिसमें ऐसे कैरिकूल पर उक्त वर मृत्यु के छह प्रतिशत से अधिक है और उप वर्षा में पूर्ण छह दो जारी होने वाले कैरिकूल पर उक्त वर मृत्यु के छह प्रतिशत से अधिक नहीं है।

(4) पार्क करका फैलिक की दशा में [उनसे भिन्न जो छाड़ (iii) के प्रत्यार्थी आते हैं] और कपकरधा फैलेकी की दशा में (उनमें भिन्न जो छाड़ (i) और छाड़ (ii) के प्रत्यार्थी आते हैं, जब उनका प्रस्तुतरण किसी स्वतंत्र प्रस्तुतरण नहीं किया जाता है, सार्वजनिक यथा विनिर्दिष्ट सदृचार दर में से ऐसा दर जो नीम प्रतिशत निम्नोंकान जनों के प्रतीक्षित रखते हुए कम कर दिया जाएगा, अर्थात् ।—

(क) ऐसे सूती फैलिकों की दशा में, जिनमें सूत का अधिकार काउन्ट 51 या उससे अधिक है, जब उनकी तिकाती प्रसंस्करण के पश्चात किन्तु छाइ या रगड़ी या दोनों से बिना की जानी है, वह अधिनियम के अन्यत उन पर उद्यगहारीय उन्नाद सून्क मूल्य का खारदू प्रतिशत होगा;

(अ) ऐसे मूरी कैबिन की दशा में, जो उत्तरोक्त गति (क) के प्रत्यारोपित ग्राहन वाले मूरी कैबिन से भिन्न है, ऐसी दश में से ऐसी कमी मूल्य के सीधे प्रतिकार से प्रथिक नहीं होगी।

(5) ऐसे सूती फैब्रिक की दशा में, (जिनका प्रमंसुरण आकृति या वाल्य की सहायता के बिना किया जाता है, भारणी में यथाविनिष्ठ ग्रन्थित दर में से ऐसी दर का पञ्चदूत्य प्रतिकृत कर कर दिया जाएगा।

(6) ऐसे फैलका को, जो मूर्ती वस्त्र (नियंत्रण आदेश, 1948 के अधीन वाले अयुक्त द्वारा समय समय पर परिभाषित "नियंत्रित धोने", "नियंत्रित माड़" "नियंत्रित फैलका" का काठा या "नियंत्रित छिन्न" के वर्जन के अनुसार है और जिसके लिए अधिकारिय कारबखाना द्वारा कोर्मते वस्त्र अयुक्त द्वारा उक्त प्रादेश, के अधीन विनियोगित हो गई है, उन प्रतीकामों के प्रतीन तो पर उद्युक्तान्वय समस्त उत्पाद-शुल्क से इस गर्व के प्रवान रहने हुए छुटकारे जाएंगे कि ऐसे फैलकों का ऐसे कारबखाना द्वारा जिसमें उनका विनियोग या प्रसंस्करण किया जाता है, किसे औद्योगिक मत्त्वान का प्रदायन नहीं किया जाता है, और यदि ऐसे फैलकों का इस प्रकार प्रदाय किया जाता है तो उस करने वाला औद्योगिक ममत्वान यह प्रभागित करता है और उग्र द्वारा एवं प्रशार कर लाए गए फैलिकों का उपयोग अनन्यतः पहनने के प्रयात्रीों के लिए न कि हिस्से अन्य प्रशंसन के लिए किया जाएगा,

(7) ऐसे डिल की दशा में, जो सूती कन्न गियरवण आवश्यक 1918 के अध्यात्म वस्त्र प्रायः उड़ान समय समय पर यथाविधिपूर्वक नियंत्रित डिल के बर्णन के अनुकूल हैं और जिनके लिए आधिकारिक फारम द्वारा इस वस्त्र प्रायः उड़ान उक आदेश पर प्रदीन चिह्नितदिव्य नहीं की भई हैं मारणों में यथाविधिरिट समूचित दर में मेरे दर का प्राप्ति प्रतिशत कम कर दिया जाएगा।

* परन्तु यह और कि हम प्रत्यार उद्योगीय शुल्क की रकम, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) के प्रशीत और अधिनियम उत्पाद-शुल्क विषेष महाता का मात्र (अधिनियम, 1957) (1957 का 58) के पर्यन्त उद्योगीय शुल्क के बीच कमशु 75: 25 के अनुपात में प्रभागित की जाएगी।

परन्तु यह भी इस विधिवृत्तना की कोई बात सूते फैब्रिक के दुकड़ों और चिकड़ों का तात् नहीं होती।

स्पष्टीकरण 1.—इस विधिवृत्तना के प्रयोगों के लिये,—

(क) "टुकड़े" से अभिप्रेत है,—

(i) विनिर्माण (जिसके अन्तर्गत प्रमस्कारण भी है) या पैक करने या नमूना लेने के सामान्य अनुक्रम के दोषन निकले सूती फैब्रिक के बन्तुत. कटे टुकड़े (जिनके अन्तर्गत तौलियों के कटे टुकड़े नहीं हैं) जो, जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है वहाँ 45 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 90 मेट्रीमीटर से अनधिक, और जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 65 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 135 मेट्रीमीटर से अनधिक, लम्बे हैं, और.

(ii) आनियस्ट मूती फैब्रिक (जिसके अन्तर्गत आनियस्ट तौलिय नहीं है) जो, जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है, वहाँ 45 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 90 मेट्रीमीटर से अनधिक, और जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 65 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 135 मेट्रीमीटर से अनधिक, लम्बे हैं, और.

(iii) आनियस्ट घोमियो या साइडों के कटे टुकड़े, जो, जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है वहाँ 45 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 90 मेट्रीमीटर से अनधिक, और जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 65 मेट्रीमीटर या उससे अधिक किल्नु 135 मेट्रीमीटर से अनधिक, लम्बे हैं,

(ज) "हायफरवा फैब्रिक" से ऐसे सूती फैब्रिक अभिप्रेत हैं जो कपास के मूर से (जो हाथ से करने कपास के मूर में भिन्न है) तैयार किये गये हैं और शारीरिक अम भंगने वाले करवा पर कृत गये हैं,

(ग) "स्वतन्त्र प्रमाणकरणकारी" से ऐसे विनिर्माण अभिप्रेत हैं जो मालिक की सहायता से बन्त के प्रमाणकरण में अनन्य स्तर से लगा हुआ है और जिसका गूर की चौड़ाई या सूती फैब्रिकों की चूनाई में लगे हुए किसी कारखाने में काई कामनिक हित नहीं है।

(घ) "चिथड़े" से अभिप्रेत है,—

(i) विनिर्माण (जिसके अन्तर्गत प्रमाणकरण भी है) या पैक करने या नमूने लेने के सामान्य अनुक्रम के दोषन निकले सूती फैब्रिक के बन्तुत. कटे टुकड़े, जो, जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है वहाँ 23 मेट्रीमीटर ये अधिक किल्नु 45 मेट्रीमीटर से अनधिक और जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 35 मेट्रीमीटर ये अधिक किल्नु 65 मेट्रीमीटर से अनधिक, लम्बे हैं;

(ii) अनियस्ट या निन गातक के सूती फैब्रिक के कटे टुकड़े, जो, जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है वहाँ 23 मेट्रीमीटर से अधिक किल्नु 35 मेट्रीमीटर से अनधिक और जहाँ फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 23 मेट्रीमीटर से अधिक किल्नु 65 मेट्रीमीटर से अनधिक, लम्बे हैं।

स्पष्टीकरण 2.—काउन्ट 'स' मूर का काउन्ट अभिप्रेत है।

स्पष्टीकरण 3.—पूरी फैब्रिकों से सूत के ग्रीष्मत काउन्ट का प्रबंधारण करने के प्रयोजन के लिये निम्नलिखित नियम लगू होंगे, अथवा :—

(क) बाईरों वा बोरों में प्रुत्तन सूत गणना में नहीं लिया जायेगा;

(ख) अनेक तारों वाले सूत के लिये, आगारी एक तार के सूत का काउन्ट लिया जायेगा, और रेंड व्यासियति, में प्रति 25.4 मिलीमीटर में पिकों की संख्या को सूत में प्लाइयों की संख्या से गुणा कर दिया जायेगा; जहाँ विश्व-विश्व काउन्टों के एक तार के आगारी सूत है वहाँ ऐसे एक तार के आगारी सूत का काउन्ट, जिसमें अधिकतमा काउन्ट है, प्रोत्तक आगारी एक तार के सूत के काउन्ट के रूप में गिरा जायेगा,

(ग) सूती और अन्य गत ले विनिर्मित कैप्रिक री व्या में अन्य सूत को ऊरोत्त प्रयोगन के लिये बास का सूत समझा जायेगा;

(घ) जहाँ ताने या बोरों में या बोरों में विव काउन्टों के सूत हैं वहाँ उस सूत के काउन्ट की, जिसमें अधिकतमा काउन्ट है, व्यासियति, नाने या बोरों का काउन्ट समझा जायेगा,

(ङ) सूत का (गोल छेव वाली मञ्चरदानी की जाली की व्या में से भिन्न) ग्रोसल काउन्ट निम्नलिखित सूत के अनुमार निकाला जायेगा, अथवा :—

(नाने का काउन्ट X रीड में प्रति 25.4 मिलीमीटर में निरो की स०) + (बाने का काउन्ट X प्रति 25.4 मिलीमीटर में में पिकों की संख्या)

रीड में प्रति 25.4 मिलीमीटर में निरों की स०+ (प्रति 25.4 मिलीमीटर में पिकों की संख्या)

प्राप्त फल के, जहाँ अतिशयक हो, आधे या अधिक अंश का एक के रूप में मानते हुए और आधे से कम अंश का छोड़ते हुए, पूर्णकिन किया जायेगा।

(च) गोल छेव वाली मञ्चरदानी की जाली की व्या में सूत का असूत काउन्ट निम्नलिखित सूत के अनुमार निकाला जायेगा, अथवा :—

(ताने का काउन्ट X प्रति 25.4 मिलीमीटर में सिरों की स०) + (बाने का काउन्ट X प्रति 25.4 मिलीमीटर में पिकों की स० X 1.4)

(प्रति 25.4 मिलीमीटर में सिरों की स०) + (प्रति 25.4 मिलीमीटर में पिकों की स० X 1.4)

प्राप्त फल के, जहाँ आतिशयक हो, आधे या अधिक अंश का एक के रूप में मानते हुए और आधे से कम अंश का छोड़ते हुए, पूर्णकिन किया जायेगा।

[सं. सं. 349/1/19-82-नी ग्राम य]

NO. 251/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 666(B).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 226/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977, the Central Government hereby exempts cotton fabrics, falling under sub-item I of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed (hereafter in this notification referred to as the Table) from so much of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise

(Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

Sl. No.	Description	Rate
1	2	3
1.	Cotton fabrics in which the average count of yarn is 51s or more.	fifteen per cent. <i>ad valorem.</i>
2.	Cotton fabrics (other than those in which the average count of yarn is 51s or more), whose value per square metre—	
(i)	does not exceed four rupees,	two per cent. <i>ad valorem.</i>
(ii)	exceeds four rupees but does not exceed six rupees,	three per cent. <i>ad valorem.</i>
(iii)	exceeds six rupees but does not exceed seven rupees,	four per cent. <i>ad valorem.</i>
(iv)	exceeds seven rupees but does not exceed eight rupees,	six per cent. <i>ad valorem.</i>
(v)	exceeds eight rupees but does not exceed nine rupees,	eight per cent. <i>ad valorem.</i>
(vi)	exceeds nine rupees but does not exceed ten rupees,	ten per cent. <i>ad valorem.</i>
(vii)	exceeds ten rupees but does not exceed eleven rupees,	twelve per cent. <i>ad valorem.</i>
(viii)	exceeds eleven rupees but does not exceed twelve rupees,	fourteen per cent. <i>ad valorem.</i>
(ix)	exceeds twelve rupees.	fifteen per cent. <i>ad valorem.</i>
3.	Cotton fabrics not specified in Sl. Nos 1 and 2.	fifteen per cent. <i>ad valorem</i>

Provided that—

(i) in the case of handloom fabrics, when processed by an independent processor approved in this behalf by the Government of India on the recommendation of the Handloom Development Commissioner, the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by sixty per cent of such rate, subject to the following conditions, namely:—

- (a) in the case of cotton fabrics in which the average count of yarn is 51s or more when cleared after processing but without printing or dyeing or both the duty of excise leviable thereon under the said Acts shall be five per cent *ad valorem*;
- (b) in the case of cotton fabrics, other than those covered by condition (a) above, such reduction from such rate shall not exceed six per cent *ad valorem*;

(ii) when handloom fabrics are processed with the aid of power by a factory owned by a registered handloom co-operative society or any organisation set up or approved by Government for the purpose of development

of handlooms, such fabrics shall be exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Acts;

(iii) in the case of—

- (a) cotton fabrics containing more than one-sixth by weight of fibre or yarn or both of non-cellulosic origin; and
- (b) coating, suiting, tussors, corduroy, gaberdine, bed-ford, satin, denim, lappst, butta fabrics, round mesh mosquito netting, lace, knitted fabrics, tapestry, furnishing fabric including jacquard curtain cloth, gadlapet, mattress fabric, terry towel including turkish towel, terry towelling cloth including turkish towelling cloth, blanket, canvas, duck, filter cloth, tracing cloth, and bukram cloth, manufactured on powerlooms (without spinning or processing plants) the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by six per cent *ad valorem* if the said rate on such fabric exceeds six per cent *ad valorem*, and shall be exempted in full if the said rate on such fabric does not exceed six per cent *ad valorem*;
- (iv) in the case of powerloom fabrics [other than those covered by clause (iii)], and in the case of handloom fabrics [other than those covered by clause (i) and clause (ii)], when processed by an independent processor, the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by thirty per cent of such rate, subject to the following conditions, namely:—
 - (a) In the case of cotton fabrics in which the average count of yarn is 51s or more when cleared after processing but without printing or dyeing or both, the duty of excise leviable thereon under the said Acts shall be eleven percent *ad valorem*;
 - (b) in the case of cotton fabrics [other than those covered by condition (a) above], such reduction from such rate shall not exceed three per cent *ad valorem*;
 - (v) in the case of cotton fabrics processed without the aid of power or steam, the appropriate rate as specified in the Table, shall be reduced by seventy five per cent of such rate;
 - (vi) fabrics which answer to the description of "Controlled Dhoti", "Controlled Saree", "Controlled Long Cloth", "Controlled Shirting" or "Controlled Drill" as defined from time to time by the Textile Commissioner under the Cotton Textile (Control) Order, 1948 and for which maximum ex-factory prices have been specified by the Textile Commissioner under the said Order, shall be exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Acts, subject to the condition that such fabrics are not supplied by the factory in which they are manufactured or processed to an industrial concern, and if such fabrics are so supplied, the purchasing industrial concern certifies that the fabrics so purchased by it shall be used exclusively for wearable purposes and not for any other purposes;
 - (vii) in the case of Drill which answers to the description of "Controlled Drill" as defined from time to time by the Textile Commissioner under the Cotton Textile (Control) Order, 1948, for which maximum ex-factory prices have not been specified by the Textile Commissioner under the said Order, the appropriate rate as specified in the table shall be reduced by fifty per cent of such rate;

Provided further that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 75 : 25 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

Provided also that nothing contained in this notification, shall apply to fents and rags of cotton fabrics.

Explanation I.—For the purposes of this notification.—

(a) "fents" means -

(i) bona fide cut-pieces of cotton fabrics (excluding cut-pieces of towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres, where the width of the fabric is less than one metre arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples;

(ii) damaged cotton fabrics (excluding damaged towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabrics is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabrics is less than one metre; and

(iii) cut-pieces of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, cut from damaged dhoties or sarees;

(b) "handloom fabrics" means cotton fabrics made from cotton yarn (other than hand spun cotton yarn) and woven on looms worked by manual labour;

(c) "independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of cloth with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cotton fabrics;

(d) "rags" means -

(i) bona fide cut-pieces of cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabrics is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabrics is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and

(ii) cut-pieces of damaged or sub-standard cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabrics is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabrics is less than one metre.

Explanation II.—'count' means the count of grey yarn.

Explanation III.—For the purpose of determining the average count of yarn in the cotton fabrics, the following rules shall apply, namely:—

(a) yarn used in the borders or selvedges shall be ignored

(b) for multiple-fold yarn, the count of the basic single yarn shall be taken and the number of ends per 25.4 mm. in the reed or the number of picks per 25.4 mm., as the case may be, shall be multiplied by the number of plies in the yarn; where there are basic single yarns of different counts, the count of the basic single yarn which has the highest count shall be taken to be the count of each basic single yarn;

(c) in the case of fabrics manufactured from cotton and other yarn, the other yarn shall, for the aforesaid purposes, be deemed to be cotton yarn;

(d) where there are yarns of different counts in warp or weft or both, the count of the yarn which has the highest count shall be taken to be the count of warp or weft, as the case may be;

(e) the average count of such yarn (other than in the case of round mesh mosquito netting) shall be obtained by applying the following formula, namely:—

(Count of warp \times No. of ends per 25.4 mm. in the reed) + (Count of weft \times N. of picks per 25.4 mm.)

(No. of ends per 25.4 mm. in the reed + No. of picks per 25.4 mm.)

the result being rounded off, wherever necessary, by treating any fraction which is one half or more as one, and disregarding any fraction which is less than one half; and

(f) in the case of round mesh mosquito netting, the average count of yarn shall be obtained by applying the following formula, namely:—

(Count of warp \times No. of ends per 25.4 mm.) + (Count of weft \times No. of picks per 25.4 mm. \times 1.4)

(No. of ends per 25.4 mm.) + (N. of picks per 25.4 mm. \times 1.4)

the result being rounded off, wherever necessary, by treating any fraction which is one half or more as one, and disregarding any fraction which is less than one half.

[F.No. 349/1/19/82-TRU]

सं. 252/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

संकाय 667(अ)—केन्द्रीय संस्कार, अनिवार्य उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपायाग (3) के माध्यम से उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शब्दों का प्रयोग शर्त से हुआ और भारत परिकार के गतिविधि और सैकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 136/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नार्मदा 18 जून, 1977 द्वारा अनिवार्य करते हुए, इनसे उपायाग सारणी के (जिसे हम अधिसूचना में इसके पश्चात् 'सारणी' कहा गया है) सम्बन्ध (2) में विनियिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रत्यक्षीय की मद सं. 19 की उपमद I के अन्तर्गत प्राप्त वाले सूची के टुकड़ों और जिलहों को, केन्द्रीय अत्याद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अनिवार्य उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58), बांदों के अधीन उन पर उद्याप्रकल्पीय उत्पाद-शुल्क की उत्तरी रकम से छूट देती है जिसनी उसके सम्बन्ध (3) में की तस्वीरी प्रविष्टि में विनियिष्ट दर से संगति रकम से अधिक है।

सारणी

क्रम नं०	वर्णन	दर
(1)	(2)	(3)
1.	ऐसे मूरी फैब्रिक में, जिनमें सूत का औपर मूल्य का पन्द्रह प्रतिशत। काउन्ट 51 या उससे अधिक है, निकले टुकड़े और चिपड़े।	
2.	ऐसे सूती फैब्रिक से (उससे निम्न जिनमें सूत का औपर मूल्य का पन्द्रह प्रतिशत है) निकले टुकड़े और चिपड़े, जिनका मूल्य प्रति वर्ग मीटर— (i) चार लाख से अधिक नहीं है। (ii) चार लाख से अधिक है किन्तु सात लाख से मूल्य का तीन प्रतिशत। (iii) सात लाख से अधिक है किन्तु नीचे लाख से मूल्य का छह प्रतिशत। (iv) नीचे लाख से अधिक है किन्तु बारह लाख से मूल्य का दस प्रतिशत। (v) बारह लाख से अधिक है।	मूल्य का दो प्रतिशत।

(i) हथकरघा फैब्रिक की दशा में, जब उनका प्रसंस्करण हथकरघा विकास आयुक्त की विकारिण या भारत सरकार द्वारा इस निमित्त अनुमोदित स्वनन्त्र प्रसंस्करणकर्ता द्वारा किया जाता है, सारणी में यह विनिष्ट समुचित दर में से ऐसी दर का साठ प्रतिशत निम्नतिथित शर्तों के अधीन रहते हुए कम कर दिया जायेगा अर्थात्—

(क) ऐसे सूती फैब्रिकों की दशा में, जिनमें सूत का औपर काउन्ट 51 या उससे अधिक है, अब उनकी निकली प्रसंस्करण के पश्चात् किन्तु छाई या रंगाई या दोनों के बिना की जाती है, उन अधिनियम के अधीन उन पर उद्घाहणीय उत्पाद-शुल्क मूल्य का पाँच प्रतिशत होगा;

(ख) ऐसे मूरी फैब्रिक की दशा में, जो उपरोक्त शर्त (क) के अन्तर्गत शर्त वाले मूरी फैब्रिक से निकले हैं ऐसी दर में से ऐसी कमी मूल्य के छह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;

(ii) जहां हथकरघा फैब्रिक का प्रसंस्करण किसी रजिस्ट्रीकृत हथकरघा सहकारी सोसाइटी के या हथकरघा के विकास के प्रयोजन के लिये केंद्रीय सरकार द्वारा स्वाप्तित या अनुमोदित किसी संघठन के स्वामित्वाधीन कारबाहों द्वारा शक्ति वाले सहायकों में किया जाता है वहां ऐसे फैब्रिकों को उन्हें अधिनियम के अधीन उन पर उद्घाहणीय उत्पाद-शुल्क से छूट दी जायेगी;

(iii) (क) ऐसे मूरी फैब्रिक, जिनमें अगलुलोमी मूल का काइबर या सूत या दोनों का भार एक बड़ा छह से अधिक है; और
(ख) ऐसे फॉट के कपड़े, सूत के कपड़े, टस्मर, कार्डराय, गवरडीन, बैट्कोर्ट, ताटन, रैनिम, लैपेट, बैटेदार फैब्रिक, गोल छेव बानी मञ्चरदानी की जानी, लैस, बुना हुआ फैब्रिक, टैपेस्ट्री, फॉलिंग फैब्रिक जिनके अन्तर्गत जैकड़ परवे का कारडा है, गड़मापेट, गहों का फैब्रिक, दैनि. तौलिए जिनके अन्तर्गत टकिंग तौलिंग है, दैरी तौलिंग के कपड़े जिनके अस्तर्गत टकिंग तौलिंग के कपड़े हैं, काम्बन, फैनबैस, डक, फिल्टर कपड़े, ड्रेसिंग कपड़े और बुक्स कपड़े,

की दशा में, जिनका विनिमय शब्दिकरणों (कलाई या प्रसंस्करण संबंधी नियम) या निया गया है, सारणी में एसा विनिष्ट समुचित दर में से मूल्य का छह प्रतिशत उस दशा में कम कर दिया जायेगा जिसमें ऐसे पैत्रिक पर उक्त दर मूल्य के छह प्रतिशत में अधिक है और उस दशा में पूर्णतः छूट दी जायेगी जिसमें ऐसे फैब्रिक पर उक्त दर मूल्य के छह प्रतिशत में अधिक नहीं है—

(iv) शक्ति करता फैब्रिक की दशा में उनसे भिन्न, जो [बिण्ट (iii) के अन्तर्गत आते हैं], और हथकरघा फैब्रिक की दशा में [उनसे भिन्न जो खण्ड (i) और खण्ड (ii) के अन्तर्गत आते हैं], जब उनका संस्करण किसी मवाल्य मंसक्षणकर्ता द्वारा किया जाता है, सारणी में यह विनिष्ट समुचित दर में से ऐसी दर का तीस प्रतिशत निम्नतिथित शर्तों के अधीन रहते हुए कम कर दिया जायेगा, अर्थात्—

(क) ऐसे मूरी फैब्रिक की दशा में, जिनमें सूत का औपर काउन्ट 51 या उससे अधिक है, अब उनकी निकली प्रसंस्करण के पश्चात् किन्तु छाई या रंगाई या दोनों के बिना की जाती है, उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्घाहणीय उत्पाद-शुल्क मूल्य का ग्यारह प्रतिशत होगा;

(ख) ऐसे सूती फैब्रिक की दशा में, जो उपरोक्त शर्त (क) के अन्तर्गत आते वाले मूरी फैब्रिक से भिन्न हैं, ऐसी वर में से ऐसी कमी मूल्य के तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;

(v) ऐसे मूरी फैब्रिक की दशा में, जिनका प्रसंस्करण अक्ति या वाल्य की सहायता के बिना किया जाता है, सारणी में यह विनिष्ट समुचित दर में से ऐसी दर का पचहतार प्रतिशत कम कर दिया जायेगा :

परन्तु यह और कि प्रसंस्कृत मूरी फैब्रिक के, जिन पर उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्घाहणीय समुचित उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है, पुनः प्रसंस्करण के परिणामस्त्रैल्य निकले सूती फैब्रिक के टुकड़ों और चिपड़ों को उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्घाहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट दी जायेगी।

परन्तु यह भी कि एक प्रकार उद्घाहणीय शुल्क की रकम, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन प्रतिवर्ष उत्पाद-शुल्क (वित्तीय भवित्व का नाम) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्घाहणीय शुल्क के दीप्त क्रम, 75: 25 के प्रमुख से प्रभावित ही जाएगी।

सार्व करण I.—इस अधिकारा के प्रयोगनी के लिए—

(क) टुकड़े से अभिनेत हैं—

(i) विनिमय (जिसके अन्तर्गत प्रसंस्करण भी है) या ऐक करने या नमक लेने के सामन्य धनुषक के द्वारा निकले भूती फैब्रिक के बग्न तथा कटे टुकड़े (जिनके अन्तर्गत नीचलियों के कटे टुकड़े नहीं हैं) जो, जहां फैब्रिक की छोड़ाई एक मीटर, या उससे अधिक है वहां 15 मटीर्स्टार या उससे अधिक किल्टु 90 मटीर्स्टार से अनधिक और जो फैब्रिक की छोड़ाई एक मीटर से कम है वहां 65 मटीर्स्टार या उससे अधिक किल्टु 135 मटीर्स्टार से अनधिक नम्बर है, और

(ii) अधिकारा मूरी फैब्रिक (जिनके अन्तर्गत धातिव्रक्त तांसियों नहीं हैं) जो, जहां फैब्रिक की छोड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है, वहां 15 मटीर्स्टार या उससे अधिक किल्टु 90 मटीर्स्टार से अनधिक, और जो फैब्रिक नी छोड़ाई एक मीटर से कम है वहां 65 मटीर्स्टार या उससे अधिक किल्टु 135 मटीर्स्टार से अनधिक नम्बर है, और

(iii) अधिकारियों या गविनों के कटे दुकड़े, जो, जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर या उसमें अधिक है वहाँ 45 सेंटी-मीटर आ उग्मे अधिक लिन्स 90 सेंटी-मीटर से अधिक, और जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 65 सेंटी-मीटर या उसमें अधिक लिन्स 135 सेंटी-मीटर से अनधिक लघ्व है;

(iv) "हथकरण फैब्रिक" से गे रेम सूता फैब्रिक अधिकारियों द्वारा कापाग के सूत से (जोहृष्टप में फो बापास के सूत से भिन्न है) तकार किया गया है और शारीरिक थम में उल्लंघन करवाए पर बुने गए हैं;

(v) "उत्तरवाद इकलूकरण कर्ता" और विनिर्माता प्रभवी हैं जो शवित की सहायता से उसके इकलूकरण में अतिन्द्रिय स्वप्न से लगा हुआ है और जिसका भूत की चोड़ाई या भूती फैब्रिकों के बुनाई में लगे दुएँ किया जारखाने में शोही साम्पत्तिक दित नहीं है।

(vi) "चियड़े" गे अधिकारियों हैं—

(i) विनिर्माण (जिसके अन्तर्गत प्रमाणकरण भी है) या पैक करने वाले नमूने लेने के ग्राम अन्य अनुभव के दौरान निकले सूती फैब्रिक के बन्धन चटे दुकड़े, जो, जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर पर या उसमें अधिक है वहाँ 23 सेंटी-मीटर से अधिक विन्स 35 सेंटी-मीटर से अधिक विन्स 45 सेंटी-मीटर से अधिक और जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 23 सेंटी-मीटर से अनधिक विन्स 65 सेंटी-मीटर से अनधिक, लघ्व है, और

(ii) कानूनिक या निम्न ग्रामके सूता फैब्रिक के कटे दुकड़े वाले, जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर या उसमें अधिक है वहाँ 23 सेंटी-मीटर से अधिक विन्स 35 सेंटी-मीटर से अधिक और जहाँ फैब्रिक की चोड़ाई एक मीटर से कम है वहाँ 23 सेंटी-मीटर से अनधिक विन्स 65 सेंटी-मीटर से अनधिक, लघ्व है।

सार्ट करण II.—सूती फैब्रिकों में सूत के श्रीमत काउन्ट का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित विषय लागू होंगे, अधिनि:—

(क) बार्डरो या छोरों में प्रयुक्त सूत गणना में गही लिया जाएगा;

(ख) अनेक तारों वाले सूत के लिए, आधारी एक तार के सूत का काउन्ट लिया जाएगा और, यांत्रिकी, रीढ़ में प्रति 25.4 मिली-मीटर में लिरों की संख्या या प्रति 25.4 मिली-मीटर में पिकों की संख्या को सूत में प्लाइयों की संख्या से गुणा कर लिया जाएगा, जहाँ भ्राता-भिन्न फैब्रिकों के एक तार के आधारी सूत है वहाँ ऐसे एक तार के आधारी सूत का काउन्ट, जिसमें अधिकतम काउन्ट है, प्रत्येक आधारी एक तार के सूत के काउन्ट के ४ प में गिना जाएगा;

(ग) सूती और अन्य सूत में विनिर्मित फैब्रिक की दशा में अन्य सूत को उपरोक्त प्रयोजन के लिए बापास का सूत समझा जाएगा,

(घ) जहाँ लाने या बाने में या दौनों में भिन्न काउन्टों के सूच हैं वहाँ उस सूत के काउन्ट को, जिसमें अधिकतम काउन्ट है, यांत्रिकी, लाने या बाने का नाउन्ट समझा जायेगा,

(ङ) सूत का (गोल छेद वाली मच्यानों की जाली की दशा में भिन्न) श्रीमत काउन्ट विनिर्मित गत्र के अनुमान निकासा जाएगा, अधिनि:—(लाने का काउन्ट—रोड़ में पति 25.4 मिली-मीटर में लिरों की संख्या (बाने का काउन्ट × प्रति 25.1 मिली-मीटर में गिको की संख्या)

रीढ़ में प्रति 25.4 मिली-मीटर में लिरों की सं० प्रति 25.4 मिली-मीटर में पिको की संख्या)

प्रात फस के जहाँ भ्राताशक थे, आधे या अधिक श्रंग को एक के सूप में मानने हुए और आधे से कम श्रंग को छोड़ने हुए, पृष्ठीकृत किया जाएगा।

(ज) गोल छेद वाली मच्यानों की जालों की दशा में सूत का श्रीमत काउन्ट विनिर्मित सूत के अनुमान निकासा जाएगा, अधिनि:—

(जाने का काउन्ट × प्रति 25.4 मिली-मीटर में लिरों की सं०) + (बाने का काउन्ट × प्रति 25.4 मिली-मीटर में पिको की सं० × 1.4)

(प्रति 25.4 मिली-मीटर में लिरों की सं०) + प्रति 25.4 मिली-मीटर में पिको की सं० × 1.4)

प्रात फस के, जहाँ अवधारण है, आधे या अधिक श्रंग को एक के सूप में मानने हुए और आधे कम श्रंग को छोड़ने हुए, पृष्ठीकृत किया जाएगा।

[फारम: 349/1/19/82-टी आर मू]

NO. 252/82—CENTRAL EXCISES .

G.S.R. 667(E).—In exercise of the powers conferred by sub-item (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 136/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, the Central Government hereby exempts fents and rags of cotton fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed (hereafter in this notification referred to as the Table) and falling under sub-item I of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

S. No.	Description	Rate
(1)	(2)	(3)

1. Fents and rags arising out of fifteen per cent. cotton fabrics in which the *ad valorem* average count of yarn is 51s or more.

2. Fents and rags arising out of cotton fabrics (other than those in which the average count of yarn is 51s or more), where the value of such cotton fabrics per square metre.

(i) does not exceed four two per cent. rupees, *ad valorem*.

(ii) exceeds four rupees but three per cent. does not exceed seven *ad valorem* rupees,

(iii) exceeds seven rupees six per cent. but does not exceed *ad valorem* nine rupees,

(1)	(2)	(3)
(iv) exceeds nine rupees ten per cent. but does not exceed ad valorem. twelve rupees,		
(v) exceeds twelve rupees. fifteen per cent. ad valorem.		

Provided that —

(i) in the case of handloom fabrics when processed by an independent processor approved in this behalf by the Government of India on the recommendation of the Handloom Development Commissioner in the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by sixty percent. of such rate, subject to the following condition, namely :—

- (a) in the case of cotton fabrics in which the average count of yarn is 51s or more when cleared after processing but without printing or dyeing or both, the duty of excise leviable thereon under the said Acts shall be five per cent. ad valorem. ;
- (b) in the case of cotton fabrics, other than those covered by condition (i) above, such reduction from such rate shall not exceed six per cent. ad valorem. ;
- (ii) when handloom fabrics are processed with the aid of power by a factory owned by a registered handloom co-operative society or any organisation set-up or approved by the Government for the purpose of development of handlooms, such fabrics shall be exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Acts ;

(iii) in the case of—

- (A) cotton fabrics containing more than one-sixth by weight of fibre or yarn of both or non-cellulosic origin ; and
- (B) coating, suiting, tussors, corduroy, gaberdine, bedford, satin, denim, lappet, batta fabrics, round mesh mosquito netting lace, knitted fabrics, tapestry, furnishing fabric including jacquard curtain cloth, gillapet mattress fabric terry towel including turkish towel terry towelling cloth, including turkish towelling cloth, blanket, canvas, duck, filter cloth, tracing cloth and bukram cloth

manufactured on powerlooms (without spinning or processing plants) the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by six per cent. ad valorem if the said rate on such fabric exceeds six per cent. ad valorem, and shall be exempted in full if the said rate on such fabric does not exceed six per cent. ad valorem ;

(iv) in the case of powerloom fabrics, other than those covered by clause (iii), and in the case of handloom fabrics other than those covered by clause (i) and clause (ii) when processed by an independent processor, the appropriate rate as specified in the Table shall be reduced by thirty per cent. of such rate, subject to the following conditions, namely :—

- (a) in the case of cotton fabrics in which the average count of yarn is 51s or more when cleared after processing but without printing or dyeing or both, the duty of

excise leviable thereon under the said Act shall be eleven per cent. ad valorem ;

- (b) in the case of cotton fabrics [other than those covered by condition (a) above] such reduction from such rate shall not exceed three per cent. ad valorem ;
- (v) in the case of cotton fabrics processed without the aid of power or steam, the appropriate rate as specified in the Table, shall be reduced by seventy five per cent. of such rate.

Provided further that fents and rags of cotton fabrics, resulting out of further processing of processed cotton fabrics on which appropriate duty of excise leviable thereon under the said Act has been paid, shall be exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Act.

Provided also that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 75:25 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

Explanation I.—For the purposes of this notification,—

(a) "fents" means —

(i) bona fide cut-pieces of cotton fabrics (excluding cut-pieces of towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples ;

(ii) damaged cotton fabrics (excluding damaged towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabrics is one metre or more and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre ; and

(iii) cut-pieces of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, cut from damaged dhoties or sarees ;

(b) "handloom fabrics" means cotton fabrics made from cotton yarn (other than hand spun cotton yarn) and woven on looms worked by manual labour ;

(c) "independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of cloth with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cotton fabrics ;

(d) "rags" means —

(i) bona fide cut-pieces of cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples ; and

(ii) cut-pieces of damaged or sub-standard cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than

15 centimetres will the width of the fabric is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

Explanation II.—For the purpose of determining the average count of yarn in the cotton fabrics, the following rules shall apply, namely:-

- yarn used in the borders or selvages shall be ignored;
- for multiple-fold yarn, the count of the basic single yarn shall be taken and the number of ends per 25.4 mm. in the reed or the number of picks per 25.4 mm., as the case may be, shall be multiplied by the number of plies in the yarn; where there are basic single yarns of different counts, the count of the basic single yarn which has the highest count shall be taken to be the count of each basic single yarn;
- in the case of fabrics manufactured from cotton and other yarn, the other yarn shall, for the aforesaid purposes, be deemed to be cotton yarn;
- where there are yarns of different counts in warp or weft or both, the count of the yarn which has the highest count shall be taken to be the count of warp or weft, as the case may be;
- the average count of such yarn (other than in the case of round mesh mosquito netting) shall be obtained by applying the following formula, namely:-

(Count of warp x No. of ends per 25.4 mm. in the reed)+(Count of weft x No. of picks per 25.4 mm.).

(No. of ends per 25.4 mm. in the reed+No. of picks per 25.4 mm.).

the result being rounded off, wherever necessary, by treating any fraction which is one half or more as one, and disregarding any fraction which is less than one half.

(i) in the case of round mesh mosquito netting, the average count of yarn shall be obtained by applying the following formula, namely:-

(Count of warp x No. of ends per 25.4 mm.)+(Count of weft x No. of picks per 25.4 mm. x 1.4)

(No. of ends per 25.4 mm.)+(No. of picks per 25.4 mm x 1.4).

the result being rounded off, wherever necessary, by treating any fraction which is one half or more as one, and disregarding any fraction which is less than one half.

[F.No. 349/1/19/82-TRU]

न० ४३/८२-विवरण उत्पाद-शुल्क

सांकेतिक ६८८(प्र).—केंद्रीय सरकार, अधिकारित उत्पाद-शुल्क (विशेष संकेत ५१ माल) अधिनियम, १९५८, (१९५८ ना ५७) का अन्तर्गत ३ की उपचारा (३) के मात्र प्रति केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, १९४१ के नियम ८ तथा उपनियम (१) हाई प्रवक्ता शक्तिया का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (गजस्ट और दूसरा विभाग) की अधिकृतता न० ४७६ केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख १६ जारी, १९७१ का अधिकारित करने का, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमस्त अधिनियम, १९४१ (१९४१ ना १) के पड़वा अनुमूलिक का मध्य म० १९ की उपमद १ के अंतर्गत अन्तर्गत मूला फैब्रिक को, अन्तर्गत इसके उत्पादक सारणी में उपबाद्ध विवरण दिए गए प्रक्रिया तथा प्रक्रिया का जारी, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

और उत्पादक ३ नियम १९४४ (१९४४ ना १) अन्तर्गत उत्पाद-शुल्क (विशेष संकेत का माल) अधिनियम, १९५७ (१९५७ ना ५८) के अधिकारित उत्पादक समरूप उत्पाद-शुल्क से छूट देता है।

परन्तु ऐसी छूट राशि आगे नहीं होगी जबकि—

- उत्पाद मध्य म० १९ की उपमद १(क) के अंतर्गत आगे वाले अप्रगत रूप से फैब्रिक पद, जिन पर पृथक्क फिरो भी अविविध के प्रत्यान उत्पाद-शुल्क यातोपर्ण स या भारत उत्प्रयोग थे हैं, उक्त सारणी में विनियोग कोष प्रक्रिया या प्रक्रियाएँ, उत्पादक से भिन्नता की जाती है जिसमें उक्त अप्रमंज्ञत फैब्रिक का उत्पादन किया गया है; या
- उत्पाद मध्य म० १९ की उपमद १ के अंतर्गत आगे वाले सूती फैब्रिक पद, उत्पाद-शुल्क में विनियोग कोष प्रक्रिया या प्रक्रियाएँ उसके खाने के भिन्नता की जाती है जिसमें उत्पादक सारणी में विनियोग प्रक्रिया से भिन्न कोई प्रक्रिया भी नहीं है।

सारणी

१. कलेंडर करना (खानेश्वर वेन्यू द्वारा का गई कलेंडरण से से भिन्न)।
२. फलांडेन सैयर करना।
- ३ स्टेन्टर करना।
४. कोरे और विरेंजित तनुओं को भिन्न।
५. कोरे और विरेंजित भट्टे तनुओं की पृष्ठ भराई।
६. सिंगार्ड, अर्थात् फैब्रिक की गुतियों और दूसरे किनारों को जाना।
७. स्कॉरिंग, अर्थात् रुई में पाए गए सूत और प्राकृत नेल का भ्रलग करना।
८. बमाकर्तन या बूटा कराई।
९. संमाधन या ताप के द्वारा सैटिंग करना।
१०. पैटिंग अर्थात् किसी फैब्रिक के एक या दोनों ओर प्राकृतिक स्टार्च लगाना।
- ११ प्रसार करना।
- १२ शक्ति की गहाथा के माध्य जल-निर्करण प्रथम्, फैब्रिक में जल का यांत्रिक निर्करण गा गांधीनि गियोङ।

[फारम० ३४९/१/१९/८२-टी आर ए]

NO. 253/82-CENTRAL EXCISES

GSR. 668 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (53 of 1957), and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Nos. 80/76-Central Excises and 122/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976, the Central Government hereby exempts cotton fabrics, falling under sub-item I of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excise Act, 1944, in Part I (1 of 1944) which is subject to any process or processes specified in the Table here-to annexed, from the whole of the duty of excise levied thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (53 of 1957).

Provided that no such exemption shall apply—

- if unprocessed cotton fabrics, falling under sub-item I(a) of the said Item No. 19, on which the duty of excise leviable thereon under any of the aforesaid two Acts,

- either in whole or in part, are subject to any process specified in the said Table, within the factory in which the said unprocessed fibres have been produced; or
- (ii) if cotton fabrics, falling under sub-item I of the said Item No. 19, are subject to any process or processes specified in the said Table within the same factory in which they have been subjected to any process other than the processes specified in the said Table.

The Table

1. **C**utting (other than calendering with grooved rollers).
2. **F**lanelling or raising.
3. **S**couring.
4. **D**ipping on grey and bleached sorts.
5. **B**lock-filling on grey and bleached sorts.
6. **S**ingeing, that is to say, burning away of kemp, silk, loose ends in the fibres.
7. **S**couring, that is to say, removing yarn size and natural oil found in cotton.
8. **C**ropping or butt cutting.
9. **C**uring or heat setting.
10. **P**adding, that is to say, applying resinous material on one or both sides of the fabric.
11. **E**xpeding.
12. **H**ydro-extraction with the aid of power, that is to say, mechanically extracting or mechanically squeezing out water from the fabric.

[F.H.O. 349/1/19/32-TRU]

सं 254/82/केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 669 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 65/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1969 को अधिकारित करते हए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 19 की उमद II के अन्तर्गत आने वाले सूती फैब्रिक को, उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उक्त पहली अनुसूची में विविध दर से उद्घग्नीय से उत्पाद-शुल्क को उतनों रकम से छूट देती है जितने--

cotton fabrics under the said Act before such fabrics are subjected to the process of embroidery.

[F. No. 349/1/19/32-TRU]

सं 255/82/केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 670 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए और भारत सरकार द्वारा दिया गया (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 273/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 अगस्त, 1977 को अधिकारित करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) का पहली अनुसूची को मद सं० 19 की उमद II के अन्तर्गत आने वाले सूती फैब्रिक को, उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उक्त पहली अनुसूची में विविध दर से उत्पाद-शुल्क को उतनों रकम से छूट देती है जितने--

(क) उक्त अधिनियम के अधीन मूल फैब्रिक पर उद्घग्नीय उत्पाद-शुल्क, यदि उनका मूल हो सदत नहीं कर दिया गया है; और

(ब) ऐसे सूती फैब्रिक पर मूल्य के मान प्रतिशत, की दर पर संगति रकम से अधिक है;

परन्तु इस अधिसूचना में अधिकार कोई बत ऐसे किनी विनियमों को लागू नहीं हानी जो मूल फैब्रिक पर सदत शुल्क के बारे में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 56के के अधीन विहित विशेष का लाभ उठाता है।

[फा० सं० 349/1/19/82-टी आरयू]

No. 255/82/CENTRAL EXCISES

GSR 670 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 65/77-Central Excises, dated the 1st August, 1977 the Central Government hereby exempts cotton fabrics falling under sub-item II of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of—

(a) the duty of excise payable on the base fibres under the said Act, if not already paid; and

(b) Seven per cent. ad valorem on such cotton fabrics;

Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the Central Excise Rules, 1944 in respect of the duty paid on the base fibres.

[F.N. 349/1/19/82-TRU]

सं 256/82/केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 671 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 273/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 अगस्त, 1977 का प्रकार दिया, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 19 की उमद II के अन्तर्गत आने वाली पी और सी लेपित और संचेतित संवादक अद्यत्रों को उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उक्त पहली अनुसूची में

विनिर्दिष्ट दर से उद्यग्हणीय उत्पाद-शुल्क की उत्तीर्ण रकम से छूट देती है जितनी—

- (क) उक्त अधिनियम के अधीन मूल फैब्रिक पर उद्यग्हणीय उत्पाद-शुल्क, यदि उसका पहले ही मंदाय नहीं कर दिया गया है; और
- (ख) ऐसी गाँज पट्टी पर मल्य के अधीन प्रतिशत, की दर से संगठित रहे; तो अधिक है;

परन्तु इस अधिकूलता ही कोई बात ऐसे विनिर्माण को लागू नहीं होगी जो मूल फैब्रिक पर सदृश शुल्क के बारे में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56वाँ के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।

[का० सं० 349/1/19/82-टी भारत]

N.o. 256/9 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 671 (F) :- In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification issued by Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No: 273/77-Central Excises, dated 11th August, 1977, the Central Government hereby exempts PVC coated or impregnated conveyor belting falling under sub-item III of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of—

- (a) the duty of excise leviable on the base fabrics under the said Act, if not already paid; and
- (b) twenty four per cent ad valorem on such conveyor belting;

Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the duty paid on the base fabrics.

[N.o. 349/1/19/82-TRU]

सं० 257/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 672 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के निचे एक विभाग (राजस्व विभाग) की अधिकूलता सं० 29/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और राज अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को पहले अनुसूची की मदद गा० 19 की उपमद IV के प्रत्यंगत आने थाने सूची फैब्रिक को उक्त अधिनियम के अधीन उग पर उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर से उद्यग्हणीय उत्पाद-शुल्क की उत्तीर्ण रकम से छूट देती है जितनी—

- (क) उक्त अधिनियम के अधीन मूल फैब्रिक पर उद्यग्हणीय उत्पाद-शुल्क, यदि उसका पहले ही संदाय नहीं कर दिया गया है; और
- (ख) ऐसे सूची फैब्रिक पर मल्य के पन्द्रह प्रतिशत, वीं दर से संगठित रकम से अधिक है;

* परन्तु इस अधिकूलता की कोई भात ऐसे विनिर्माण को लागू नहीं होगी जो मूल फैब्रिक पर सदृश शुल्क के बारे में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 56वाँ के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।

[का० सं० 349/1/19/82-टी भारत]

No. 257/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 672 (E) :- In exercise of the power, conferred by sub-rule (1) of rule 3 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 29/81-Central Excises, dated the 1st March, 1981, the Central Government hereby exempts cotton fabrics, falling under sub-item IV of item No. 19 of the First Schedule, to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of—

- (a) the duty of excise leviable on the base fabrics under the said Act, if not already paid; and
- (b) fifteen per cent ad valorem on such cotton of fabrics;

Provided that nothing contained in this notification shall apply to the manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the duty paid on the base fabrics.

[F. No. 349/1/19/82-TRU]

सं० 258/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 673 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के दाय पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को पहली प्रान्तीय आने वाले सूची फैब्रिक के नमूनों को, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अधिनियम उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) वीं दर से के प्रबोधन उत्पाद-शुल्क से नीचे की गारणी के स्तर (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सीमा और शर्तों के अनुरूप हुए, छूट देती है।

सारणी

क्र०	आकार और	मंड्या के बारे में
सं०	सीमा	सत
1	2	3
1	प्रदल शक्तियों से प्रधिक नहीं	विदेश व्यापार के लिए नमूनों के रूप में लिया गया है, परन्तु यह तब जब कि—
(क)	पूरी औड़ाइ सहित सीटर	(क) प्रदेश किसी का गाँज से केवल
	लंबा—	एक नमूना लिया गया है,
(ख)	वस्त्र यान के मालों में पूरी लंबाई का यान जैसे कि बैड	(ख) नमूने वास्तव में विदेश व्यापार के प्रयोजनों के लिए है,
	कवर और बैड-जीट।	(ग) ऐसे नमूनों के वास्तविक नियांति के बारे में समुचित अधिकारी के संपर्क गमाधारप्रब रूप में दस्तावेजी भाष्य प्रस्तुत किया गया है।
(घ)	ऐसे अधिकैष, जो कलकटर द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, ऐसे जाते हैं।	

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
2 पूरी चौड़ाई सहित अधिक से अधिक कारबाने के परिसरों लेके भीतर या 92 सेटीमीटर लम्बा।	बाहर परीक्षणों के प्रयोजनों के लिए निकाले गये हैं।		(b) samples are for bona-fide overseas trade purposes;		
3 एक मास में निकासी की गई प्रत्येक वास्तविक व्यापार प्रयोजनों के लिए किस्म या प्रकार के 0.1 प्रतिशत की अधिकतम मात्रा के अधीन इतने पूरी चौड़ाई सहित अधिक से अधिक 50 सेटीमीटर लंबा।	निकाले गए हैं।		(c) such quantity drawn for test purposes is provided before the proper officer regarding the actual export or such samples.		
परन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की पहली अनुसूची की मद से 0.19 की उपमद ii और iii के अंतर्गत आने वाले सूती फैब्रिक की दशा में नमुनों की अधिकतम मात्रा पूर्ववर्ती मास के दीरान देशी उपभोग के लिए चिकित्सा यात्री कुल शल्क-संदर्भ निकासियों के 0.01 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।			(d) such card is may be supplied by Collectorism intended.		
4 पूरी चौड़ाई सहित एक मीटर तक टैक्सटाइल समिति द्वारा नम्यक रूप से लंबा।	प्राविकृत अधिकारियों द्वारा निकाले गए हैं।		2. Not exceeding 92 centimetres in length by full width. Drawn for test purposes within or outside the factory premises.		
5. "धोती" या "साड़ी" के बारे में एक धान और अन्य फैब्रिकों का पूरी चौड़ाई सहित अधिक से अधिक 2.7 सेटी-मीटर लंबा।	टैक्सटाइल न आयुक्त या पूर्ति और निपटान महानिदेशक द्वारा सम्यक रूप से प्राविकृत अधिकारियों द्वारा निकाले गए हैं।		3. Not exceeding 50 centimetres in length by full width subject to a maximum quantity of 0.1 per cent of each sort or variety cleared in a month.		

[फा० सं० 349/1/19/82-टी आर य०]

No.258/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 673 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) the Central Government hereby exempts samples of cotton fabrics, falling under Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) subject to the limitations and conditions specified in columns (2) and (3) of the Table below.

TABLE

Sl. No.	Limitations with regard to size and number	Conditions
(1)	(2)	(3)
1. Not exceeding—		Drawn as samples for overseas markets provided that—
(a) 50 centimetres in length by full width		
(b) a full length piece in respect of piece goods such as bed covers and bed sheets.	(i) only one sample is drawn from each sort or bale;	

Provided that in the case of cotton fabrics falling under sub-items II and III of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944, the maximum quantity of samples shall not exceed 0.01% of the total duty paid clearances of the particular goods for home consumption during the preceding month.

4. Upto one metre in length by full width. Drawn by officers duly authorised by the Textiles Committee.
5. One piece in respect of 'Dhoti' or 'Dhoti' and not exceeding 2.7 metres in length by full width of Commissioner or Director General of Supplies and Disposals.

[F. No. 349/1/19/82-TRU]

सं० 259/82-केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क

का० नं० 674 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के तिरान 8 के तर तिरान (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित मत्रालय (राजस्व और वीमाविभाग) की अधिसूचना सं० 171/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 21 नवम्बर, 1970 में निम्नलिखित और संग्रह करती है प्रथमतः—

उक्त अधिसूचना से उत्पन्न संग्रह की त्रैमा० 14 और उससे संबंध प्रतिष्ठियों का लोप किया जाएगा।

[फा० सं० 349/1/19/82-टी आर य०]

No. 259/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 674 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of

Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 171/70-Central Excises, dated the 21st November, 1970, namely:-

In the Table annexed to the said notification, S.I. No. 14 and the entries relating thereto shall be omitted.

[F. No. 349/1/19/82-TRU]

सं० 260/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० का० नि० 675 (अ).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त एकिनयों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की नियमितियां प्रविश्वरूपान्वयों को विषयात्मक करती हैं अवश्य।—

1. सं० 69/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च 1969
2. सं० 70/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च 1969
3. सं० 135/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 8 मई 1969
4. सं० 67/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 21 मार्च 1970
5. सं० 106/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 18 अप्रैल 1973

[का० सं० 349/1/19/82- दी आर थ]

No. 260/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 675(E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 the Central Government hereby rescinds the following notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), namely:—

1. No. 69/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
2. No. 70/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
3. No. 135/69-Central Excises, dated the 8th May, 1969.

4. No. 67/70-Central Excises, dated the 21st March, 1970.

5. No. 106/73-Central Excises, dated the 28th April, 1973.

[F. No. 349/1/19/82-TRU]

सं० 261/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० का० नि० 676 (अ).—केन्द्रीय सरकार अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का मामा) अधिनियम 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के मात्र परिण केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त एकिनयों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की नियमितियां प्रविश्वरूपान्वयों को विषयात्मक करती हैं अवश्य।—

1 सं० 57/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973

2 सं० 143/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 7 जून, 1975

[का० सं० 349/1/19/82- दी आर थ]

जितेन्द्र बट्टा, अधर सचिव

No. 261/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 676 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), namely:—

No. 57/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973.

2. No. 143/75-Central Excises, dated the 7th June, 1975.

[F. No. 349/1/19/82-TRU]
JITENDRA BATRA, Under Secy.

